## संक्षिप्त परिचय: डॉ. सुरेश सिंह राठौड़

डॉ. सुरेश सिंह राठौड़, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में वर्ष 2021 से सह-आचार्य के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी पीएचडी की उपाधि राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के हिंदी विभाग के प्रो. प्रेमप्रकाश भट्ट के निर्देशन में "श्री यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' के कथा साहित्य में लोक जीवन और लोक समस्याएँ" विषय में पूर्ण की है तथा राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के हिंदी विभाग से ही 1999 में एम.ए. हिंदी प्रथम श्रेणी से उतीर्ण की है। वर्ष 2013 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग में सहायक आचार्य के पद पर कार्यभार ग्रहण से पूर्व 2004 से 2013 तक राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (सम्प्रति केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली) के जयपुर एवं जम्मू परिसर में व्याख्याता पद पर कार्य किया है। इससे पूर्व वर्ष 2002 से 2004 तक एस.एस. जैन सुबोध महाविद्यालय, जयपुर के हिंदी विभाग में अंशकालिक व्याख्याता के रूप में अध्यापन कार्य किया है।

डॉ. राठौड़ वर्तमान में राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय की 'अकादमिक परिषद्' के सदस्य हैं। 'महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय', भरतपुर के 'अध्ययन बोर्ड' (BOS) के सदस्य, मिजोरम विश्वविद्यालय, आइजोल तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर की 'अनुसंधान सलाहकार समिति' (RAC) के नामित सदस्य हैं। साथ ही देश की कई प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं के संपादक मंडल के सदस्य हैं।

शिक्षण के क्षेत्र में उनकी रुचि लोक साहित्य, कथा साहित्य तथा मध्यकालीन साहित्य जैसे विषयों में है। राष्ट्रीय/ अंतरराष्ट्रीय/ UGC केयर सूची में सम्मिलित प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाओं यथा- मधुमती, वैचारिकी, मीरायन, भावक, संवाद पथ, जूनी ख्यात, जयंती इत्यादि में इनके अब तक 59 शोधालेख प्रकाशित हैं। इनकी अब तक आठ पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। जिनमें से तीन पुस्तकें राजस्थान विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में संलग्न रही हैं। 'माटी के रंग हज़ार' प्रकाशित कहानी संग्रह है जिस पर 'अमरकांत स्मृति पुरस्कार' प्राप्त हुआ है और इस कहानी संग्रह पर दिल्ली विश्वविद्यालय में लघुशोध परियोजना कार्य हो रहा है।

साहित्य में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें प्रमुख हैं-अखिल भारतीय हिंदी सेवी संस्थान इलाहाबाद द्वारा 'राष्ट्रभाषा गौरव' पुरस्कार, नागरीदास कला संस्थान, किशनगढ़ द्वारा शिक्षक सम्मान, राष्ट्रीय सहज सांस्कृतिक मंच अजमेर, द्वारा 'अमरकांत स्मृति सम्मान' राष्ट्रीय साहित्यांचल सर्जन सम्मान, इंटरनेशनल युनिवर्सिटी बुक्स पब्लिकेशनस एवं केप्टन नेतराम सिंह चेरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर द्वारा सर्वपल्ली डॉ.राधाकृष्णन इंटरनेशनल अवार्ड।

डॉ. राठौड़ ने अब तक 5 पी-एच.डी शोधार्थियों का सफलता पूर्वक मार्गदर्शन किया हैं। सभी शोधार्थी अपनी पीएचडी उपाधि प्राप्ति के उपरान्त रोजगार प्राप्त हैं। डॉ. सुमित कुमार मीना (सहायक आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय), डॉ. वीरेंद्र सिंह बारेठ (सहायक आचार्य, राजस्थान महाविद्यालय, शिक्षा), डॉ. सुमित्रा कुमारी बुरानियाँ (संयुक्त शोध निर्देशक) (सहायक आचार्य, निजी महाविद्यालय), डॉ.ममता यादव (सहायक आचार्य, राजस्थान कॉलेज शिक्षा) डॉ. कविता शर्मा (स्कूल व्यख्याता, राजस्थान स्कूल शिक्षा)। अब तक 32 एम.ए. लघु शोध प्रबंध परियोजनाओं का निर्देशन कर चुके हैं। वर्तमान में 6 पी-एच.डी. शोधार्थी इनके निर्देशन में शोधरत हैं।